भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग
*** * ***

<u>विषय: जुलाई 2024 माह के लिए अंतरिक्ष विभाग का मासिक सार।</u>

<u>भाग- I (अवर्गीकृत)</u>

I. माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियाँ

क. <u>अंतरिक्ष परिवहन:</u>

- एल.वी.एम.3-एम 5 मिशन के क्रायोजेनिक ऊपरी चरण हेतु निर्धारित क्रायोजेनिक इंजन का उड़ान स्वीकृति परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया।
- सेमी क्रायोजेनिक इंजन विकास परियोजना के लिए प्री-बर्नर के निर्बाध एवं निरंतर प्रज्वलन को प्रदर्शित करते हुए, प्री-बर्नर प्रज्वलन परीक्षण आर्टिकल (पी.आई.टी.ए.) के संबंध में प्रज्वलन परीक्षण को इसरो नोदन कॉम्प्लेक्स, महेंद्रगिरि में समेकित इंजन परीक्षण सुविधा (एस.आई.ई.टी.) में सफलतापूर्वक पूरा किया गया।
  - इससे पावर हेड टेस्ट आर्टिकल के साथ आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त विश्वास मिला है, जो सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का मध्यम संरूपण है।
- 22 जुलाई 2024 को वायु श्वसन नोदक प्रौद्योगिकी हेतु द्वितीय परीक्षण उड़ान सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा से सफलतापूर्वक संचालित किया गया। नोदक चरणों को आर.एच.-560 परिज्ञापी यान के प्रत्येक तरफ सममितीय ढंग से चढ़ाकर प्रमोचित किया गया। वायु श्वसन नोदन प्रणालियों के सफल प्रज्वलन के साथ परिज्ञापी यान का उड़ान परीक्षण निष्पादन संतोषजनक रहा।
- श्रीहरिकोटा के प्रमोचन कॉम्प्लेक्स में एस.एस.एल.वी.-डी.3/ई.ओ.एस.-08 मिशन हेतु यान चरण समेकन के लिए तैयार है।

ख. <u>अंतरिक्ष अनुप्रयोग:</u>

I. <u>भू प्रेक्षण:</u>

- कृषि प्रौद्योगिकी परियोजना (राज्य सरकारों के लिए): वर्ष 2023-24 के लिए महाराष्ट्र में गेहूँ की फसल के लिए ऋतु समाप्ति फसल आउटलुक सूचना तैयार की गई। रबी 2023-24 के लिए मध्य प्रदेश में गेहूँ, चना और सरसों की फसलों के लिए फसल कटाई परीक्षण (सी.सी.ई.) आंकड़ा के संदर्भ में एल.एल. व्युत्पन्न उपज आंकलनों का सत्यापन किया गया।
- जल संसाधन मंत्रालय के लिए जल-सूचना उत्पादों एवं सेवाओं का विकास (राष्ट्रीय जलविज्ञान परियोजना): दैनिक अनुकारित जल संतुलन घटकों, दैनिक वास्तविक वाष्पोत्सर्जन (ए.ई.टी.) उत्पादों, मानकीकृत जल विस्तार सूची (एस.डब्ल्यू.एस.आई.) उत्पादों तथा मानकीकृत रनऑफ सूचकांक (एस.आर.आई.) उत्पादों को वेब प्रकाशित कर राष्ट्रीय परियोजना मॉनीटरन यूनिट (एन.पी.एम.यू)-एन.एच.पी. के साथ साझा किया गया। जम्मू एवं

कश्मीर में मुंडिकसर हिमनदी के लिए जी.एल.ओ.एफ. और विभिन्न परिस्थितियों के लिए गोकुंगसो (ब्रम्हपुत्र तलहटी) को पूरा किया जा चुका है।

- घर एवं शहरी कार्य मंत्रालय के लिए शहरी जलाशय सूचना प्रणाली (यू.डब्ल्यू.ए.आई.एस.): 3 शहरों (कुल 51 शहर) में चयनित (प्राथमिकता वाले) जलाशयों के लिए भू-उपयोग/ भू-कवर परिवर्तन आंकलन पूरा किया गया।
- जलसंभर विकास घटक का मॉनीटरण- भूस्थानिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना (डब्ल्यू.डी.सी.-पी.एम.के.एस.वाई. 2.0) परियोजना (ग्रामीण विकास मंत्रालय): राज्य स्तर के हितधारकों के लिए संवेदनशील बनाने वाले कार्यक्रम आयोजित किए गए। डब्ल्यू.डी.सी. 2.0 कार्यों को मनरेगा के साथ लाने पर ग्रा.वि.मंत्रा. द्वारा आयोजित बातचीत में इसरो ने भाग लिया।

II. <u>आपदा प्रबंधन सहायता:</u>

- केरला के वायनाड जिले में भूस्खलन/मलबा बहाव आपदा के लिए उपग्रह आंकड़ा सहायता हेतु अंतरराष्ट्रीय चार्टर सक्रिय किया गया। आई.आर.एस. आंकड़ा का उपयोग करके मलबा बहाव का केंद्र और मार्ग निर्धारित किया गया और केरल सरकार के साथ साझा किया गया।
- 1998 से 2023 की बाढ़ आप्लावन सूचना का उपयोग कर तथा क्षेत्र सत्यापनों को शामिल कर, असम राज्य का बाढ़ जोखिम क्षेत्र मानचित्र का अद्यतित रुपांतर तैयार किया गया।
- असम, उत्तर-प्रदेश, बिहार और कर्नाटक में बाढ़ की घटनाओं को शामिल करते हुए 111 बाढ़ आप्लावन मानचित्र/मूल्य वर्धित उपग्रह प्रतिबिंबों को संबंधित राज्यों में प्रसारित किया गया।
- बाढ़ पूर्व चेतावनी प्रणाली (एफ.एल.ई.डब्ल्यू.एस., असम): असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को 16 बाढ़ चेतावनियां जारी की गईं।
- अग्नि ऋतु 2024 के लिए प्रचालनात्मक निकट वास्तविक समय दावानल चेतावनियां और उनके प्रसारण का कार्य चल रहा है।
- सात आई.आर.एस. आंकड़ा उत्पाद छः देशों के लिए आपदा प्रबंधन सहायता हेतु प्रहरी एशिया को प्रसारित किए गए।

ग. <u>मानव अंतरिक्ष उड़ान:</u>

- गगनयान जी.-1 मिशन के लिए कर्मीदल मॉड्यूल हेतु शीर्ष कवर का निर्माण किया गया। कर्मीदल मॉड्यूल-संयोजन विच्छेदन प्रणालियों एवं कर्मीदल मॉड्यूल ऑफ्ट उष्मा कवच और पृथक्करण प्रणालियों के परीक्षण सूटिंग हेतु अंतरापृष्ठों का निर्माण पूरा हुआ।

  सेवा मॉड्यूल नोदन प्रणाली विकास परीक्षण (चरण-III) कुल 2773 से. की अवधि के लिए किया गया। जी.-1 मिशन के लिए सेवा मॉड्यूल हेतु उड़ान रुपांतर नोदन प्रणाली के समेकन का कार्य पूरा हो चुका है। सौर पैनल सबस्ट्रेटों के लिए थर्मो-वैक चक्रों को भी पूरा कर लिया गया है।

- परीक्षण यान (टी.वी.-डी.2) के दूसरे विकास उड़ान के लिए, कर्मीदल बचाव प्रणाली (सी.ई.एस.) की सभी ठोस मोटरों हेतु नोदक कास्टिंग, नोजल प्रॉसेसिंग और मुख्य पैराशूट परीक्षण समेकन पूरा हो चुका है। नोदन प्रणाली, शंक्वाकार पैनल, मंदन प्रणाली और अप-

राइटिंग प्रणाली के लिए अंतरापृष्ठ निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। टी.वी.-डी.2 मिशन के लिए उड्यानिकी पैकेज भी तैयार हैं।

घ. अंतरिक्ष विज्ञान:

- श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में पूर्ण-आकाश प्रकाशिक वायुदीप्ति प्रतिबिंबित्र अवलोकन से विभिन्न प्रकार की आयनमंडलीय विसंगतियों का पता चलता है, जो संभवतः क्षोभमंडलीय संवहन मूल की गुरुत्वाकर्षण तरंगों (जी.डब्ल्यू.) की नकल हैं।
- प्रदूषक प्रजातियों और उत्सर्जन स्रोतों की जाँच हेतु एक अध्ययन में यह पाया गया कि बायोमास दहन से कार्बनिक पदार्थ और कोयला दहन से खनिज पदार्थ वार्षिक पैमाने पर कृषि ठूँठ जलाने की तुलना में अधिक प्रदूषण का कारण बन सकते हैं।
- पूर्वी भारत में ओलावृष्टि पैदा करने वाले संवहन तूफानों का आकलन करने हेतु दीर्घकालिक (2007-2017) अवलोकन से संकेत मिलता है कि, संवहन उपलब्ध संभावित ऊर्जा, संवहन अवरोध, निम्न और मध्य-क्षोभमंडलीय आर्द्रता, तापमान और ऊर्ध्वाधर हवा जैसी पर्यावरणीय स्थितियाँ तीव्र तूफानों के लिए सहायक हैं। उपर्युक्त अनुकूल पर्यावरणीय स्थितियाँ पूर्वी भारत में ओलावृष्टि से लगभग 2 घंटे पहले तक देखी गई थीं।
- कम द्रव्यमान वाले ए.जी.एन. यू.जी.सी. 6728 के 15 एक्स-किरण अवलोकनों के व्यापक विश्लेषण से पता चलता है कि सक्रिय गैलेक्टिक नाभिक (ए.जी.एन.) की एक्स-रे चमक में भिन्नता स्रोत के दृश्य रेखा के साथ हाइड्रोजन कॉलम घनत्व के लिए जिम्मेदार नहीं है, क्योंकि यू.जी.सी. 6728 एक नग्न नाभिक को प्रदर्शित करता है।
- अनुसंधान अध्ययनों से बहिर्वेशित सौर कोरोना के चुंबकीय क्षेत्र में त्रि-आयामी चुंबकीय रिक्तियों की उत्पत्ति और विनाश का पता चलता है।
- एशिया में उच्च गुणवत्ता वाले भू-आधारित आँकड़ा समूहों का उपयोग करके स्तंभ ऐरोसॉल के क्षेत्रीय और स्थानिक वितरण पर एक अध्ययन से पता चला है कि ऐरोसॉल ऑप्टिकल डेप्थ (ए.ओ.डी.) प्रत्येक मौसम में दक्षिण एशिया में सबसे अधिक है, इसके बाद दक्षिण-पूर्व पूर्व और मध्य एशिया का स्थान है।
- अहमदाबाद पर ब्लैक कार्बन (बी.सी.) ऐरोसॉल उत्सर्जन पर एक अध्ययन में, कुल बी.सी. में जीवाश्म ईंधन के दहन से बी.सी. के योगदान में प्रति वर्ष 29% की दर से वृद्धि और लकड़ी के ईंधन के दहन से बी.सी. के योगदान में प्रति वर्ष 36% की दर से कमी की प्रवृत्ति देखी गई। पिछले दशक में बायोमास (लकड़ी के ईंधन) दहन उत्सर्जन में इस महत्वपूर्ण कमी का श्रेय स्वच्छ घरेलू खाना पकाने के ईंधन को अपनाने को दिया जाता है।

ङ. क्षमता निर्माण:

- सचिव, अ.वि./अध्यक्ष, इसरो ने छात्रों से प्रस्ताव प्राप्त करने के लिए, 12 चुनौतियों के साथ 4 जुलाई, 2024 को भारतीय अंतरिक्ष हैकथॉन-2024 कार्यक्रम की शुरुआत की। लगभग 3600 टीमों ने प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं और एन.आर.एस.सी., हैदराबाद में 13 से 14 अगस्त, 2024 के दौरान निर्धारित 30 घंटे के ग्रैंड फिनाले में भाग लेने के लिए 30 टीमों को चयनित किया गया है।

- इस महीने के दौरान, 2 पेटेंट प्रदान किए गए और 6 पेटेंट आवेदन आई.पी.ओ. में दायर किए गए हैं।

च. प्रशिक्षण एवं कार्यशाला:

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	प्रशिक्षण की अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	इसरो प्रायोजित एन.एन.आर.एम.एस. पाठ्यक्रम (8 सप्ताह की अवधि)	13 मई – 05 जुलाई, 2024	57
2.	एक साप्ताहिक भू-स्थानिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	1-5 जुलाई, 2024	35
3.	इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय वन अकादमी में भारतीय वन सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों हेतु एक साप्ताहिक अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम	8-12 जुलाई, 2024	115
4.	हाइब्रिड मोड में कौशल विकास कार्यक्रम 'मुक्त स्रोत जी.आई.एस. प्रौद्योगिकियाँ' विषय पर द्वि-साप्ताहिक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम	15-26 जुलाई, 2024	15
5.	'स्वचालित विशेषता निकास हेतु उच्च विभेदन आँकड़ा विश्लेषण' विषय पर एक-साप्ताहिक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम	22-26 जुलाई, 2024	12
6.	एशिया एवं प्रशांत में अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शिक्षा केंद्र (सी.एस.एस.टी.ई.ए.पी.) ने 'अंकीय मौसम पूर्वानुमान मॉडल का उपयोग करके मौसम पूर्वानुमान' विषय पर एक लघु पाठ्यक्रम का आयोजन किया।	22 जुलाई –2 अगस्त, 2024	10 देशों के 23 प्रतिभागी
डी.एल.पी./ऑनलाइन वर्चुअल मोड पाठ्यक्रम एवं कार्यक्रम			
7.	वानस्पतिक अध्ययनों में सौर-प्रवृत्त क्लोरोफिल पुष्पन का उपयोग	18 जुलाई, 2024	265 नेटवर्क संस्थानों के 1291 प्रतिभागी
8.	आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन हेतु निसार की क्षमता	24 जुलाई, 2024	666 नेटवर्क संस्थानों के 4462 प्रतिभागी

- 03 जुलाई, 2024 को अंतरराष्ट्रीय क्षुद्रग्रह दिवस समारोह के भाग के रूप में, ग्रह रक्षा पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। 100 छात्रों सहित 175 प्रतिनिधियों ने संवादात्मक सत्र में भाग लिया और जाक्सा एवं ई.एस.ए. के तीन प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने वर्चुअल मोड में तकनीकी व्याख्यान दिया।
- जैसा कि दिसंबर 2023 में केन्या के राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान जारी संयुक्त बयान में शामिल किया गया था, आई.आई.आर.एस. में केन्या के अधिकारियों के लिए "कृषि जानकारी के लिए सुदूर संवेदन और जी.आई.एस." पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम 29 जुलाई, 2024 को आई.टी.ई.सी. योजना के तहत आई.आई.आर.एस. में शुरू हुआ है। पाठ्यक्रम की योजना 4 सप्ताह की है।

छ. सुरक्षित एवं सतत अंतरिक्ष प्रचालन प्रचालन:

- 22 लियो एवं 30 जी.एस.ओ. उपग्रहों के लिए सी.एस.पी.ओ.सी./यू.एस.स्पेसकॉम से 2231 संगमन डाटा संदेशों (सी.डी.एम.) के साथ दैनिक अंतरिक्ष पिंड निकटता विश्लेषण

(एस.ओ.पी.ओ.) एवं निकट उपगमन परिस्थिति का पुनःनिर्धारण किया गया। एम.ई.एन.यू.टी. (एन.ओ.आर.ए.डी. सं. 55010), एक छोटा उपग्रह, के साथ निकट उपगमन रोकने के लिए कार्टोसैट-2सी का संघट्टन बचाव युक्ति संसाधन (सी.ए.एम.) किया गया। कुल 51 कक्षीय युक्ति संसाधन (ओ.एम.) योजनाओं का सन्निरीक्षण किया गया। युक्ति संसाधन के बाद संभावित संगमन रोकने के लिए, इनमें से 8 ओ.एम. योजनाओं को एस.ओ.पी.ए. सिफारिशों के आधार पर संशोधित किया गया।

- चंद्रयान 2 कक्षीय यान (सी.एच.2.ओ.) एवं नासा के चंद्र अनुनाद कक्षीय यान (एल.आर.ओ.) के बीच 12 जुलाई 2024 को निकट उपगमन रोकने के लिए, 9 जुलाई 2024 को एक ऑनलाइन बैठक सहित गहन समन्वय किया गया। एस.एस.ओ.एम. के अनुरोध के आधार पर, नासा टीम ने 10 जुलाई 2024 को एल.आर.ओ. संवेग अभार युक्ति संसाधन के बाद शीघ्रतापूर्वक कक्षीय पंचांग प्रदान करने के लिए विशेष प्रबंध किए, जिसने सी.एच.2.ओ. के लिए किसी भी सी.ए.एम. आवश्यकता को समाप्त करने में सहायता की। सी.एच.2.ओ. के लिए 23 जुलाई 2024 को निर्धारित ओ.एम.-85 के लिए बीयरकैट (बियाँन्ड अर्थ कोलिज़न एवाइडेंस टूल) के माध्यम से आवश्यक स्क्रीनिंग की गई, इसने 25 जुलाई 2024 को कोरिया पाथफाइंडर लूनर ऑर्बाइटर (के.पी.एल.ओ.) के साथ संभावित निकट संगमन के जोखिम को समाप्त किया।
- 45 बड़े पिंडों के वातावरण में पुनःप्रवेश का पुर्नवानुमान लगाया गया। अंतरिक्ष मौसम चेतावनी का नियमित मॉनीटरन किया गया।

ज. <u>अंतरराष्ट्रीय सहयोग:</u>

- निदेशक, पी.आर.एल के नेतृत्व में इसरो के 15 सदस्यी प्रतिनिधिमंडल ने बुसान, दक्षिण कोरिया में 13-21 जुलाई 2024 के दौरान अंतरिक्ष अनुसंधान समिति (कोस्पार) के 45वें सत्र में भाग लिया। इसरो के प्रतिनिधिमंडल ने तकनीकी लेख प्रस्तुत किया, स्पेस एजेंसी लीडर्स की गोलमेज में एवं अन्य कार्यक्रमों में भाग लिया।

  डॉ. अनिल भारद्वाज, निदेशक/पी.आर.एल. को विकासशील देशों में अंतरिक्ष अनुसंधान में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए अध्यक्ष, कोस्पार द्वारा 14 जुलाई 2024 को विक्रम साराभाई मेडल – 2024 से पुरस्कृत किया गया।
- माननीय विदेश मामलों के मंत्री, भारत की मॉरीशस यात्रा के दौरान भारत - मॉरीशस संयुक्त उपग्रह के साकारीकरण के परियोजना योजना दस्तावेज का विनिमय किया गया।
- भारतीय वायु सेना के आमंत्रण पर, इसरो के प्रतिनिधि ने सिक्योर वर्ल्ड फाउंडेशन एवं जापान के राष्ट्रीय अंतरिक्ष नीति सचिवालय द्वारा टोक्यो, जापान में 11-12 जुलाई 2024 के दौरान आयोजित अंतरिक्ष दीर्घकालिकता के 6वें शिखर सम्मेलन में एक व्याख्यान दिया।
- इसरो एवं अन्य अंतरिक्ष एजेंसियों नामतः आस्ट्रेलिया (ब्रिसबेन/सिडनी में नया भू स्टेशन), अर्जेंटीना ("भारतीय अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र एवं अंतरिक्ष नीति" पर इसरो का व्याख्यान), भूटान (संयुक्त कार्ययोजना), सेनेगल एवं मलेशिया (सहयोग हेतु प्रस्ताव), वियतनाम (भू स्टेशन), तथा मेक्सिको व सऊदी अरब (जी20 उपग्रह) के बीच वर्चुअल बैठक आयोजित की गई।

झ. <u>इनस्पेस की गतिविधियाँ:</u>

- अंतरिक्ष अधारित ई.ओ. प्रणाली स्थापित करने के लिए 25 जुलाई 2024 को इन-स्पेस डिजीटल मंच पर इच्छा पत्र जारी किया गया।

- इन-स्पेस ने गैर सरकारी निकायों को भारतीय कक्षीय रिसोर्स उपलब्ध कराने के लिए एक अवसर की घोषणा जारी की है। इस ए.ओ. के माध्यम से, 89 डिग्री पूर्व में फाइल भारतीय आई.टी.यू., जो समन्वय चरण में हैं, एक चयनित आवेदनकर्ता को उपलब्ध कराया जाएगा। यह एक भारतीय संचार उपग्रह की स्थापना एवं प्रचालन को सक्षम बनाएगा।
- इन-स्पेस ने स्वयं के प्रयोग और भारतीय एवं गैर-भारतीय निकायों को भू स्टेशन एक सेवा के रूप में (जी.एस.ए.ए.एस.) प्रदान करने के लिए विभिन्न आवृत्ति बैंड में भू-स्टेशनों के प्रचालन एवं स्थापना के लिए निम्नलिखित 3 गैर सरकारी संस्थाओं को प्राधिकरण जारी किया है : क) मेसर्स एवनटेल लिमिटेड, हैदराबाद, ख) मेसर्स ध्रुव स्पेस प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, ग) मेसर्स अज़िस्टा बी.एस.टी. एयरोस्पेस लिमिटेड, हैदराबाद।
    - इन-स्पेस द्वारा इस श्रेणी में पहली बार प्राधिकार जारी किए गए, जो प्राधिकृत गैर सरकारी संस्थाओं को ऐसी सुविधाएँ विश्व भर में प्रदान करने में सक्षम बनाएगा।
- इन-स्पेस ने 03 अतिरिक्त भारतीय इकाइयों को पंजीकृत किया है, जो भू-प्रेक्षण / सुदूर संवेदन उपग्रहों से भारतीय सीमा एवं भू- प्रतिदर्श डाटा (जी.एस.डी.) > 30 से.मी. से संबंधित प्राथमिक डाटा वाणिज्यिक रूप से प्रसारित/बिक्री करने इच्छुक हैं।
- इन-स्पेस सीड निधि योजना: समुद्र में अवसरों की घोषणा।
- कौशल विकास कार्यक्रम के तहत 07-12 जुलाई 2024 के दौरान इन-स्पेस मुख्यालय, अहमदाबाद में "अंतरित्र डाटा उत्पाद एवं सेवा" पर लघु अवधि पाठ्यक्रम संचालित किया गया। इन-स्पेस ने एडिलेड में 17वें ऑस्ट्रेलियाई अंतरिक्ष फोरम में 24-25 जुलाई 2024 के दौरान भारतीय अंतरिक्ष स्टार्ट-अपों का नेतृत्व किया। दो-दिवसीय कार्यक्रम के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग के सुदृढ़ीकरण में भारत की बढ़ती साख को रेखांकित किया।
- 31 जुलाई 2024 को भारत-सिंगापुर अंतरित्र उद्योग दिवस संचालित किया गया।

ञ. <u>एनसिल की गतिविधियाँ:</u>

- एनसिल ने उद्योग समूह (एच.ए.एल. व एल.एंड.टी.) एवं प्रणाली विश्वसनीयता (एस.आर) को हल्की मिश्रधातु संरचना, मोटर केस, आदि जैसी विभिन्न प्रमोचन यान प्रणालियों के संविचरन में गुणवत्ता प्रमाणन के लिए इसरो के वर्तमान प्रोटोकॉलों एवं प्रक्रियाओं से परिचित कराने हेतु वी.एस.एस.सी. में बैठक आयोजित की।
- एनसिल ने मेसर्स स्पेसकिड्ज़ के साथ उनके उपग्रह 'स्पोस रिक्शा-0' (यात्रासाझा मोड) को एस.एस.एल.वी.-डी.3 पर प्रमोचित करने के लिए प्रमोचन सेवा करार (एल.एस.ए.) पर हस्ताक्षर किया।
- अंतरिक्ष एवं भू खंडों दोनों को शामिल कर एक प्रौद्योगिक-वाणिज्यिक प्रस्ताव तैयार किया गया एवं प्रयोक्ता द्वारा समीक्षा एवं अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया गया।
- एनसिल ने तेलांगना, अपने उपग्रह दूर-शिक्षा नेटवर्क को जीसैट-8 से जीसैट-16 एवं जीसैट-18 में अभिगमित करने के लिए आंध्र प्रदेश एवं केरल में राज्य सरकार निकायों के साथ समझौता करारों पर हस्ताक्षर किए। यह राज्य निकायों को संबंधित राज्यों में विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री प्रसारित करने में सक्षम बनाएगा।

- एनसिल ने इस्ट्रैक भू-स्टेशन के माध्यम से एक विदेशी ग्राहक को प्रमोचन यान अनुरेखन सहायता प्रदान की।
  - एनसिल ने भारतीय उद्योगों के साथ 12 प्रौद्योगिकि हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किए।

2. **तीन महीने से अधिक अवधि से लंबित 'अभियोजन की मंजूरी' के मामलों की संख्या:** शून्य

3. **ऐसे मामलों का विवरण, जिनमें लेन-देन के व्यावसायिक नियमों या सरकार द्वारा स्थापित नीतियों से विचलन हुआ हो:** शून्य

4. **चल रहे स्वच्छता अभियान की स्थिति (विशेष अभियान के अंतर्गत प्रगति):**

   सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार, विभाग ने 1 से 15 फरवरी, 2024 के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा 2024 के कार्यान्वयन के लिए एक कार्य योजना बनाई है और डी.डी.डब्ल्यू.एस. को सूचित किया है तथा स्वच्छता समीक्षा पोर्टल पर अपलोड किया है।

   इस कार्य योजना के आधार पर, अं.वि./इसरो केंद्रों/यूनिटों/स्वायत्त निकायों/केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों, आवासीय कॉलोनी के निवासियों, सी.आई.एस.एफ. कर्मियों आदि की सक्रिय भागीदारी के साथ 1 से 15 फरवरी, 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा 2024 मनाया। पखवाड़े के दौरान किए गए कार्यक्रमों को स्वच्छता समीक्षा पोर्टल पर अपलोड किया गया है।

5. **स्वायत्त निकायों के युक्तिसंगत बनाने की स्थिति:**

   ई.एम.सी. ने सिफारिश की है कि एन.ए.आर.एल. को सरकारी बनाया जाए। एन.ए.आर.एल. के संदर्भ में समिति की सिफारिशें समीक्षाधीन हैं।

   विभाग के अंतर्गत सभी स्वायत्त निकायों अर्थात् आई.आई.एस.टी., पी.आर.एल., एन.आर.ए.एल. और एन.ई.सैक को राजकोष एकल खाता के तहत लाया गया है।

6. **स्वायत्त निकायों/पी.एस.यू. सहित मंत्रालय/विभाग में वरिष्ठ स्तर की नियुक्तियों की रिक्ति स्थिति:**

   अंतरिक्ष विभाग के सभी पदों से संबंधित विस्तृत स्थिति ए.वी.एम.एस. पर अद्यतित कर दी गई है। दिनांक 31.07.2024 तक की रिक्तियों के अद्यतनीकरण की स्थिति निम्नलिखित है:
   - ए.वी.एम.एस. पर प्रविष्टि के लिए आवश्यक पदों की कुल संख्या: - 16
   - वर्तमान में भरे हुए पदों की संख्या:- 12
   - वर्तमान में पूर्णतः रिक्त पदों की संख्या:- 04
   - समय पूर्व संप्रत्यावर्तन के तहत पदों की संख्या – 00
   - अतिरिक्त प्रभार व्यवस्था के तहत पदों की संख्या:- 01
   - अगले 06 माह के दौरान रिक्त होने वाले पदों की संख्या:- 02

7. **उन मामलों की सूची जिनमें ए.सी.सी. दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया गया है : - शून्य।**

* * *